पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने लखनऊ महोत्सव का समापन किया
9 दिसम्बर तक दर्शकों के लिये खुला रहेगा महोत्सव - राज्यपाल
लखनऊ की अपनी खास संस्कृति है - श्री नाईक

लखनऊ: 5 दिसम्बर, 2018

लखनऊ महोत्सव के औपचारिक समापन के अवसर पर आज उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने घोषणा की कि महोत्सव दर्शकों, व्यापारियों एवं ग्राहकों की मांग पर 9 दिसम्बर तक बढ़ा दिया गया है। उल्लेखनीय है कि लखनऊ महोत्सव का आयोजन 25 नवम्बर से 5 दिसम्बर, 2018 तक किया गया था।

राज्यपाल ने कहा कि पूरे भारत में अनेक शहर देखे हैं पर लखनऊ जैसा शहर कहीं नहीं देखा। लखनऊ की अपनी खास संस्कृति है। यहाँ हिन्दू-मुस्लिम, पुरूष-महिला सब आपसी सद्भाव से रहते हैं। उन्होंने कहा कि वे 5वीं बार लखनऊ महोत्सव के समापन समारोह में आये हैं पर इस बार का नजारा कुछ और है। इस बार का महोत्सव 'अटल संस्कृति अटल विरासत' के नाम पर लखनऊ के लोकप्रिय सांसद एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी को समर्पित है। महोत्सव में अटल दीर्घा एवं अटल ग्राम विशेष आकर्षण का केन्द्र हैं। राज्यपाल ने कहा कि लखनऊ में अटल जी के द्वारा किये गये काम को देखकर काम करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल का कार्यकाल पांच वर्ष का होता है। उनके कार्यकाल के 4 वर्ष 4 माह पूरे हो गये हैं। कार्यकाल पूरा होने के बाद भी अगले वर्ष यदि लखनऊ महोत्सव में उन्हें बुलाया जायेगा तो वे अवश्य आयेंगे।

श्री नाईक ने अटल दीर्घा व अटल ग्राम का अवलोकन करते हुये कहा कि अटल जी के जैसा नेता आज तक नहीं देखा। वे छोटे से छोटे कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते थे और पूरा ध्यान देते थे। राज्यपाल ने बताया कि 1994 में जब उन्हें कैंसर हुआ था तब अटल बिहारी वाजपेयी बगैर किसी सूचना के उन्हें देखने मुंबई उनके घर पर आये थे। अटल दीर्घा की बात बताते हुये उन्होंने कहा कि महोत्सव में अटल जी के जो छायाचित्र लगाये गये हैं वे केन्द्र सरकार, राज्य सरकार एवं भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय से लिये गये हैं। उनके पास भी कुछ अटल जी के साथ के दुर्लभ चित्र थे, जैसे 1980 में भारतीय जनता पार्टी का प्रथम स्थापना अधिवेशन, उनकी कैबिनेट में रहते हुये कुछ चित्र आदि, जिन्हें अटल दीर्घा में दर्शाया गया है। उन्हें देखकर अटल जी की यादें जीवंत हो गयीं।

राज्यपाल ने समापन समारोह में महोत्सव को सफल बनाने के लिये अपना योगदान देने वाले मण्डलायुक्त श्री अनिल गर्ग, पुलिस उपमहानिरीक्षक श्री सुजीत पाण्डेय, जिलाधिकारी श्री कौशल राज, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री कलानिधि नैथानी, जिला प्रशासन एवं नगर निगम के अधिकारियों सहित अन्य सहयोग करने वालों को प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री हेमन्त राव, मण्डलायुक्त श्री अनिल

गर्ग, पुलिस उपमहानिरीक्षक श्री सुजीत पाण्डेय, जिलाधिकारी श्री कौशल राज, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री कलानिधि नैथानी मंच पर उपस्थित थे। राज्यपाल ने समारोह में महोत्सव की स्मारिका 'उर्मिला 2018' का विमोचन भी किया। राज्यपाल ने महोत्सव में नगाड़े पर थाप देकर नगाड़े वालों का उत्साहवर्धन भी किया।

जिलाधिकारी श्री कौशल राज ने स्वागत उद्‌बोधन दिया तथा मण्डलायुक्त श्री अनिल गर्ग ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

अंजुम/ललित/राजभवन (474/5)

लखनऊ महोत्सव

आगे है बढ़ते जाना
कैंसर से मुक्ति के बाद अपने पहले सार्वजनिक कार्यक्रम में आए श्री राम नाईक की अगवानी करते हुए मा. अटल जी (25/09/1994)
भाजपा स्थापना महाधिवेशन में 'अंधेरा छँटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा' का उद्घोष करते हुए श्री अटल जी । साथ में सर्वश्री लालकृष्ण आडवाणी, सिकंदर बख्त, राम नाईक और राम जेठमलानी (30 दिसम्बर 1980)
श्री राम नाईक के कैंसर से मुक्त होने के बाद उनके कार्यवृत्त विमोचन में जनता को सम्बोधित करते हुए मा. अटल जी (25/09/1994)

आगे है बढ़ते जाना
कैंसर से मुक्ति के बाद अपने पहले सार्वजनिक कार्यक्रम में आए श्री राम नाईक की अगवानी करते हुए मा. अटल जी (25/09/1994)
भाजपा स्थापना महाधिवेशन में 'अंधेरा छँटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा' का उद्घोष करते हुए श्री अटल जी । साथ में सर्वश्री लालकृष्ण आडवाणी, सिकंदर बख्त, राम नाईक और राम जेठमलानी (30 दिसम्बर 1980)
श्री राम नाईक के कैंसर से मुक्त होने के बाद उनके कार्यवृत्त विमोचन में जनता को सम्बोधित करते हुए मा. अटल जी (25/09/1994)